**भारत सरकार**
**श्रम और रोजगार मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या- 1209**
**गुरुवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक)**

# विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियाँ

**1209. डा. अशोक कुमार मित्तल:**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास पिछले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र में नियोजित लोगों की संख्या के आंकड़े उपलब्ध हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या यह सच है कि पिछले पांच वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र की अनिगमित इकाइयों में नौकरियां खत्म हुई हैं, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या यह भी सच है कि वर्ष **2010-11** से अनिगमित, गैर-कृषि उद्यमों में नियोजित लोगों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है; और
(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**श्रम और रोजगार राज्य मंत्री**
**(सुश्री शोभा करंदलाजे)**

(क) से (घ): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रकाशित केएलईएमएस (के: पूंजी, एल: श्रम, ई: ऊर्जा, एम: सामग्री और एस: सेवाएं) डेटाबेस अखिल भारतीय स्तर पर रोजगार अनुमान प्रदान करता है। डेटाबेस के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार वर्ष 2018-19 में 5.52 करोड़ की तुलना में वर्ष 2022-23 में बढ़कर 6.31 करोड़ हो गया। वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार में कुल वृद्धि लगभग 79.17 लाख है।

अनिगमित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), जो सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा संचालित किया जाता है, विशेष रूप से विनिर्माण, व्यापार और अन्य सेवा क्षेत्र में अनिगमित गैर-कृषि प्रतिष्ठानों की विभिन्न आर्थिक और परिचालन विशेषताओं को मापता है। विनिर्माण क्षेत्र सहित अनिगमित, गैर-कृषि उद्यमों में कामगारों की संख्या (राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार) के ब्यौरे के साथ रिपोर्ट https://www.mospi.gov.in/sites/default/files/publication_reports/ASUSE_2022_23_Report_Final.pdf. पर उपलब्ध है।

*****